श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावल

गुजरात सरकार द्वारा स्थापित

NAAC द्वारा A+ श्रेणी से प्रत्यायित, UGC द्वारा 2(f) तथा 12(B) मान्यता प्राप्त

प्रकाशक

डॉ. दशरथ जादव

कुलसचिव

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावल

राजेन्द्र भुवन रोड, वेरावल - ३६२ २६६ जिला- गीर-सोमनाथ, गुजरात

दूरभाष - ०२८७६-२४४५२८/२९/३२ फेक्स : २४४४१७

Web - www.sssu.ac.in E-mail - sssu.veraval@sssu.ac.in

http://jyotih.inflibnet.ac.in/

YouTube - https://youtube.com/channel/shreesomnathsanskrituniversity

Join us on Facebook - ShreeSomnathSanskritUniversityVeraval

विश्वविद्यालय का परिचय

गुजरात सरकार द्वारा स्थापित, U.G.C. 2(f) ओर 12(B) मान्यता प्राप्त

प्रो. सुकान्तकुमार सेनापति
माननीय कुलपति

- श्री नरेन्द्र मोदी जी की विकास योजनाओं में शास्त्र विकास हेतु गुजरात राज्य के लिए अमूल्य उपहार।
- लौहपुरुष सरदार पटेल जी के संस्कृत प्रचार और शास्त्र प्रचार के लिए संकल्प का सकार स्वरूप।
- शास्त्र अध्ययन के साथ व्यक्तित्व विकास के लिए विभिन्न अवसर।
- स्वल्प मूल्य के साथ अध्ययन, आवास और भोजन आदि की व्यवस्था।
- वेद एवं विभिन्न शास्त्रों के उत्तम अध्ययन की व्यवस्था।
- प्रथम ज्योतिर्लिङ्ग श्री सोमनाथ का सान्निध्य।
- विद्वान प्राध्यापकों का मार्गदर्शन।

▲ संशोधन केन्द्र
● **महाविद्यालय/कॉलेज**
■ डिप्लोमा केन्द्र
★ पी.जी.डी.सी.ए. केन्द्र
◆ बी. एड्. (शिक्षा शास्त्री) महाविद्यालय

विस्तार	: समग्र गुजरात
विभाग	: ०७
संशोधन केन्द्र	: ०३
सम्बद्ध महाविद्यालय/कॉलेज	: ३७
डिप्लोमा केन्द्र	: ५६
पी.जी.डी.सी.ए.	: १८

MoU : 26

अन्तर्राष्ट्रीय	: ०५
राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक	: २१

विश्वविद्यालय का वैशिष्ट्य

- UGC-NET/SLET आदि स्पर्धात्मक परीक्षाओं को ध्यान में रखकर विशेष प्रशिक्षण की निःशुल्क व्यवस्था और शास्त्रीय स्पर्धाओं की तैयारी हेतु अतिरिक्त अध्ययन का अवसर।
- स्नातक तथा अनुस्नातक अध्ययन के साथ डिप्लोमा अध्ययन का अवसर।
- संस्कृत सम्भाषण और संस्कृत लेखन का विशेष प्रशिक्षण।
- अद्यतन संगणक प्रयोगशाला, आधुनिक संसाधनों से परिपूर्ण व्यायामशाला।
- ३१४२२ से अधिक पुस्तकों से सुसज्जित पुस्तकालय।
- मुख्य पाठ्यक्रम के साथ आधुनिक विषयों का भी अध्यापन।
- अनुसन्धानप्रवृत्ति को प्रोत्साहित करने हेतु SSIP 2.0 के अन्तर्गत आर्थिक सहायता।
- राज्यस्तरीय, राष्ट्रस्तरीय क्रीडा और शास्त्रीय स्पर्धाओं में भाग ग्रहण का अवसर।
- कर्मकाण्ड प्रशिक्षण और काव्य कौशल प्रशिक्षण।
- दूरस्थ शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों के लिए संस्कृत ज्ञान परम्परा का परिचय।
- विविध तकनीकी, योग, आयुर्वेद एवं कृषि आदि विषयों के साथ समन्वयपूर्वक नई शिक्षानीति में विश्वविद्यालय की बहुविषयता का सम्पादन।

सभाखण्ड

ग्रन्थालय

यज्ञशाला

व्यायामशाला

संगणक प्रयोगशाला

कुमार छात्रावास

विश्वविद्यालय के प्रधान मूल्य

- अध्ययन अध्यापन आदि विधि में सरल मानक संस्कृत के प्रयोग द्वारा सभी जगह संस्कृतमयता।
- योग्य नागरिकों का निर्माण।
- गुणवत्तापूर्ण, रुचिकर और नवाचारयुक्त शिक्षण।
- गुणवत्तायुक्त ग्रन्थों का प्रकाशन।
- समाज के लिए योगदान।
- छात्रों का सर्वाङ्गीण विकास।
- पाण्डुलिपियों का सम्पादन आदि कार्य, गुणवत्तापूर्ण एवं मौलिक संशोधन कार्य।
- व्यावसायिक शिक्षण के साथ पारम्परिक शिक्षण का समन्वय।

अभ्यासक्रम और शुल्क विवरण

(विश्वविद्यालय के परिसर में चल रहे अभ्यासक्रम के लिए)

क्रम	अभ्यासक्रमा	विषय	न्यूनतम–योग्यता	अवधि	शुल्क*	
					विद्यार्थी	विद्यार्थिनी
१	**विद्यावारिधिः** (Ph. D.)	वेद, साहित्य, पुराणेतिहास, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन	संस्कृत विषय में ५५% के साथ आचार्य अथवा एम. ए. उत्तीर्ण	**३ वर्ष से ६ वर्ष तक**	२४,८८०/-	२४,८८०/-
२	**आचार्यः** (M. A.)	वेद, साहित्य, पुराणेतिहास, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन	मुख्य विषय संस्कृत के साथ बी. ए. अथवा शास्त्री उत्तीर्ण	2 Years	३८००/-	१४००/
३	M. A.	योग	किसी भी विषय में स्नातक	2 Years	७२००/-	७२००/-
	M. A.	जनरल संस्कृत	संस्कृत के सिवा किसी भी विषय में स्नातक	2 Years	३८००/-	१४००/-
	M. A.	हिन्दु स्टडीज	किसी भी विषय में स्नातक	2 Years	२४६००/-	२४६००/-
४	**संयुक्त–शा–शिक्षाशास्त्री** (Integrated B.A., B.Ed.)	संस्कृत	किसी भी विषय में ५०% के साथ १२वीं कक्षा उत्तीर्ण (SC, ST 45 %)	4 Years	६०५५०/-	४०५५०/-
५	**शास्त्री** B.A.	वेद, साहित्य, पुराणेतिहास, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन	किसी भी विषय में १२वीं कक्षा उत्तीर्ण	4 Years	७२००/-	२४००/
६	**पदविका** Diploma	योग, मंदिर व्यवस्थापन, वास्तुशास्त्र, ज्योतिष, कर्मकांड, संस्कृत शिक्षण,	किसी भी विषय में १२वीं कक्षा उत्तीर्ण	1 Year	*५००/-	*५००/
		संगीत	किसी भी विषय में १२वीं कक्षा उत्तीर्ण	1 Year	३०००/-	३०००/-
७	**ऑनलाइन–अल्पकालिक–प्रमाणपत्र–पाठ्यक्रमः** Online Short Term Certificate Courses		किसी भी विषय में १२वीं कक्षा उत्तीर्ण	3 Months	१५००/-	१५००/
८	**Diploma Programme in Distance**	ज्योतिष, मंदिर व्यवस्थापन, वास्तुशास्त्र, कर्मकांड, संस्कृत भाषा, वैदिक गणित योग	किसी भी विषय में १२वीं कक्षा उत्तीर्ण	1 Year	३७५०/-	३७५०/-
९	**Post-Graduate Diploma (P.G. Diploma)**	मंदिर व्यवस्थापन प्रवासन	किसी भी विषय में स्नातक	1 Year	३१००/-	३१००/

* यहाँ निर्दिष्ट शुल्क सम्पूर्ण अभ्यासक्रम के लिए है। * यह शुल्क मुख्य केन्द्र पर स्वीकार किया जाएगा।

* **परीक्षा शुल्क – प्रतिसत्र** – शास्त्री ७५०/-, B.A. B.Ed. १०००/-, आचार्य ८००/-, डिप्लोमा ७००/-

परीक्षा शुल्क में विश्वविद्यालय के नियमानुसार परिवर्तन हो सकता है।

छात्रालयमें रहनेवाले विद्यार्थीओं के समय–समय पर विश्वविद्यालय के नियमानुसार भोजन शुल्क देना होगा।

पाठ्यक्रम का विवरण

(विश्वविद्यालय के परिसर में चल रहे अभ्यासक्रम के लिए)

पत्र-संख्या	**शास्त्री** (B. A.) NEP 2020 के अनुसार **संयुक्त-शास्त्री - शिक्षाशास्त्री** (B. A., B.Ed.) **विषय**
मुख्यः -१	(MJ) साहित्य, वेद, व्याकरणम्, पुराण, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शनम्
मुख्यः -२	
गौणः -३	(MN) साहित्य्, वेद, व्याकरण, पुराण, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन
४	(MDC) प्राच्य अर्थशास्त्रं ओर राजनीतिशास्त्र
५	(AEC) गुजराती/हिन्दी /अंग्रेजी (English Grammer & Composition)
६	(SEC) अंग्रेजी तथा कम्प्यूटर
७	**Semester - 1 (IKS)** १६ संस्कारपरिचय, वेद परिचय, रामायण परिचय, संस्कृत संभाषण, भगवद्गीतापरिचय भारतीय विद्याएं और कलाएँ - १
	Semester - 2 (VAC) पर्यावरण्, खेल-कूद (पी. टी.) NSS, योग
	Semester - 3 (IKS) नीतिशतक्, स्वामी विवेकानन्द भारतीय संगीत, भारतीय विद्याएं और कलाएँ - २
	Semester - 4 (VAC) NSS, प्राकृतिक स्वास्थ्य, सामान्य ज्ञान, IPDC-2, संक्षिप्त विदुरनीति (तृतीय दीक्षा) संक्षिप्त रामायण (तृतीय दीक्षा)
पत्र-संख्या	**संयुक्त शास्त्री - शिक्षाशास्त्री** (B. A. B.Ed.) **प्रश्नपत्र**
८	शिक्षण संबधित
९	प्रायोगिक शिक्षण
चोथे वर्ष में केवल शिक्षण संबधित विषय	

पत्र-संख्या	**आचार्यः** (M. A.) **विषय**
१	**अनिवार्य संस्कृत** (विविध शास्त्रों का इतिहास, भाषा विज्ञान आदि का परिचय)
२	**मुख्य शास्त्र** नव्य व्याकरण, सर्वदर्शन, साहित्य, पुराणेतिहास, वेद, फलित ज्योतिष,
३	
४	
५	**गौण शास्त्र** नव्य व्याकरण / सर्वदर्शन / साहित्य / पुराण इतिहास / वेद / फलित ज्योतिष

* वैकल्पिक विषयमें स्नातक/अनुस्नातक भवन में दिये जानेवाले विषय पसंद करने होंगे।

प्रवेश के लिए आवश्यक प्रपत्र

- अन्तिम उत्तीर्ण परीक्षा का अंक-पत्र की छायाप्रति
- नवीनतम दो फोटो (पासपोर्ट साईज)
- विद्यालय छोड़ने का प्रमाणपत्र
- आधार कार्ड की छायाप्रति
- बैंक पासबुक की छायाप्रति

विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों का जीवन

- छात्रों के संस्कृत सम्भाषण अभ्यास तथा शास्त्र निरूपण कौशल के विकास के लिए '**वाग्वर्धिनी परिषद्**', **संस्कृत संभाषण वर्ग तथा स्पोकन–इंग्लिश–वर्गो** का आयोजन।
- विषय विशेषज्ञ प्राध्यापकों द्वारा छात्रों को **व्यक्तिगत परामर्श**।
- राष्ट्रीय सेवा योजना, स्वच्छता अभियान, गली–नुक्कड़ नाटक और वृक्षारोपण आदि द्वारा छात्रों में **राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण।**
- सभी जाति के छात्रों का एकत्र निवास के माध्यम से छात्रों में **समरसता का सम्पादन**।
- शास्त्रीय, सांस्कृतिक, चित्र, क्रीडा आदि स्पर्धाओं में रुचि उत्पन्न करने हेतु प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय द्वारा **युव–महोत्सव** का आयोजन।
- आयोजन–कौशल, नेतृत्व, सभाधैर्य आदि प्रतिभाओं के विकास के लिए छात्रों द्वारा **वार्षिक–महोत्सव** का आयोजन।
- **पदवी–दान समारोह** के माध्यम से प्रतिवर्ष परिसर में माननीय राज्यपाल, शिक्षणमन्त्री और सारस्वत अतिथियों की गौरवमय उपस्थिति एवं मार्गदर्शन।
- अपने अपने शास्त्रों में नैपुण्य सम्पादन हेतु राष्ट्रीय विद्वानों के मार्गदर्शन में **शास्त्रीय कार्शालाओं** और संगोष्ठियों का आयोजन।
- समय समय पर प्रोरणादायक चलचित्रों का '**फिल्म–क्लब**' के माध्यम से प्रदर्शन।
- विश्वविद्यालय के ग्रन्थालय में छात्रों के लिए '**पढते–पढते कमाएं**' योजना के अन्तर्गत धनार्जन का अवसर।
- छात्रावास में प्रतिदिन **ग्रन्थ पारायण, श्लोक रचना, गद्य लेखन** आदि का शिक्षण।
- समय समय पर **यज्ञ अनुष्ठान**।

विश्वविद्यालय परिसरमें उपलबध्ध भवनें

'बृहस्पतिः' ग्रन्थालय

'श्रीः' अतिथि गृह

'पातञ्जलम्' योग भवन

क्रीडाङ्गण

'गार्गी' बालिका छात्रावास

'प्रभासज्योतिः' शैक्षणिक भवन

विश्वविद्यालय की उपलब्धियाँ

- ऑनलाईन अल्पकालीन पाठ्यक्रम-५, डिप्लोमा पाठ्यक्रम - ७, परामर्श क्रेन्द्र- ०६
- अनेक राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवादों का आयोजन
- परिसर में अखिल भारतीय प्राच्य विद्या संगोष्ठी का आयोजन
- रोजगार मेला (Job Fair) का आयोजन
- ८३ से अधिक ग्रन्थों का प्रकाशन, शोधज्योतिः (UGC CARE Listed) शोधपत्रिका का प्रकाशन
- राष्ट्र स्तरीय क्रीडा स्पर्धाओं में, शास्त्रीय स्पर्धाओं में विश्वविद्यालय के छात्र एवं छात्राओं द्वारा पुरस्कार की प्राप्ति
- विगत वर्षों में स्पर्धात्मक-परीक्षाओं में परिणाम- UGC-NET- ४४+, JRF- ४, GSET- ३५+
- विगत पन्द्रह वर्षों से निरन्तर पदवी-दान समारोह का गौरवपूर्ण आयोजन
- GPSC द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षा में 16+ विद्यार्थीओं का चयन

हमारा सिद्धान्त – ''पूर्णता गौरवाय''

'पूर्णता गौरवाय' यह विश्वविद्यालय का सिद्धान्तवाक्य महाकवि कालिदास विरचित मेघदूत से लिया गया है। यह वाक्य पूर्णता तथा श्रेष्ठता को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है, विश्वविद्यालय की स्थापना में कारणस्वरूप आदर्श एवं उद्देश्य को सुस्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करता है।

हमारा ध्येय

सभी संस्थाएँ गुणवत्ता में श्रेष्ठता के लिए स्पर्धा करती हैं। श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय उससे भिन्न नहीं है। वर्तमान एवं भविष्य की अत्यधिक स्पर्धा युक्त संसार में प्रतिष्ठा प्राप्ति के लिए विश्वविद्यालय गुणवत्ता का ही आश्रय लेता है। गुणवत्ता केवल यात्रा है, न कि गन्तव्यस्थान।

हमारा लक्ष्य

- ☞ संस्कृत भाषा एवं साहित्य की विस्तृत प्रगति, बोध तथा ज्ञान।
- ☞ आधुनिक प्रवाह के साथ समन्वय बनाकर वैदिक ज्ञान एवं परम्परागत शिक्षा की दृढ़ता तथा प्रोत्साहन का सम्पादन करना।
- ☞ योग्य नागरिकों का निर्माण कर राष्ट्र का निर्माण करना।
- ☞ ज्ञान परम्परा का विकास करना।
- ☞ प्रौद्यैगिकी का अधिक से अधिक उपयोग करना।
- ☞ लड़कियों तथा समाज के उपेक्षित वर्गों के लिए सहज प्रवेश की व्यवस्था।
- ☞ गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करते हुए संस्कृत शिक्षण की उत्तम से उत्तम शिक्षा प्रदान कर यह विश्वविद्यालय उत्तम रोजगार के अवसर, नयी स्पर्धाओं का सामना करना और उत्तमोत्तम संशोधन कार्य को लक्ष्य बनाता है।
- ☞ व्यावसायिक शिक्षण पाठ्यक्रमों का आयोजन तथा आधुनिक विज्ञान के साथ उनका समन्वय।

श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय व्यक्तियों का नहीं, अपितु भावी पीढ़ियों का निर्माण करेगा। इस विश्वविद्यालय से भावी पीढ़ियों का निर्माण होगा। इस विश्वविद्यालय की स्थापना मानव-निर्माणरूप महान अभियान का प्रारम्भ बिन्दु है।

श्री नरेन्द्र मोदी

प्रवेश के लिए सम्पर्क करें

स्नातक-विभाग

डॉ. नरेन्द्रकुमार पण्ड्या	डॉ. पङ्कजकुमार रावल	डॉ. अमिषा दवे	श्री जयदीपसिंह परमार
प्रधानाचार्यः	अध्यापकः	अध्यापिका	जु. क्लर्क
९८९८५४०४०३	९८७९३२९८९८	८७३३९९९३३५	७३५९५१७४००

अनुस्नातक-विभाग

प्रो.(डॉ.) विनोदकुमार झा	डॉ. जिगर भट्ट	डॉ. आशाबेन माढक	श्री केतनभाई काचेला
अध्यक्षः	अध्यापकः	अध्यापिका	लेब. आसिस्टेन्ट
८३२००७२२७१	७६००५२९२७१	९९९८६१२२४८	९२२८२८८३२६

कार्यालयः - ०२८७६-२४४५३२/३३

web: www.sssu.ac.in E-mail: sssu.veraval@sssu.ac.in